



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
कानपूर, उत्तर प्रदेश



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 10-06-2025

इटावा(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-06-10 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-06-11	2025-06-12	2025-06-13	2025-06-14	2025-06-15
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	3.4	2.2
अधिकतम तापमान(से.)	45.0	45.0	45.0	43.0	43.2
न्यूनतम तापमान(से.)	27.0	27.0	27.0	27.0	27.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	48	50	54	95	97
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	24	24	27	50	52
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	4	5	6	9	12
पवन दिशा (डिग्री)	121	27	40	83	131
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	3	2	6	7
चेतावनी	NA	NA	NA	NA	NA

पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आगामी पांच दिनों में हल्के से मध्यम बादल छाये रहने के कारण दिनांक 14-15 जून, 2025 के मध्य स्थानीय स्तर पर गरज-चमक के साथ हल्की वर्षा, तेज हवाएं चलने की संभावना है। अधिकतम तापमान 43.0- 45.0°C के मध्य है, जो सामान्य से 4-5°C अधिक रहने की संभावना है तथा न्यूनतम तापमान 26.0-27.0°C के मध्य है, जो सामान्य से 1-2°C अधिक रहने की संभावना है। सापेक्षिक आर्द्रता की अधिकतम एवं न्यूनतम सीमा 48-97 तथा 24-52% के मध्य है। हवा की दिशा दक्षिण-पश्चिम, उत्तर-पूर्व है तथा हवा की गति 4.0-12.0 किमी प्रति घंटा के मध्य है, तथा झोंके सामान्य से 3-4 किमी प्रति घंटा अधिक गति से चलने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार दिनांक 14-15 जून 2025 के मध्य स्थानीय स्तर पर हल्की वर्षा, गरज-चमक के साथ वर्षा, तेज हवाएं चलने की चेतावनी है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

प्रथम तीन दिन उष्ण लहर तथा अन्तिम दो दिनों में हल्की बारिश की सम्भावना को देखते हुए, किसानों को सलाह दी जाती है कि वे जायद की परिपक्व फसलों की कटाई एवं मड़ाई कर दानों को संरक्षित करें तथा सिंचाई का कार्य प्रातःकाल एवं दोपहर के समय न करें। सुबह 11 बजे से शाम 04 बजे के बीच खेतों पर कोई कार्य न करें तथा खड़ी फसलों में हल्की सिंचाई 7-8 दिन के अन्तराल पर सायंकाल के समय करें। पशुओं को सुबह 11 बजे से शाम 04 बजे तक चरने लिए बाहर न छोड़ें। पशुओं को सुबह - शाम नहलायें। दोपहर के वक्त अनावश्यक घर से बाहर न निकले यदि आवश्यक कार्य है तो सिर पर गमछा बाँध कर ही घर से बाहर निकले।

सामान्य सलाहकार:

हल्की वर्षा, गरज-चमक की संभावना को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे जायद की परिपक्व फसलों की कटाई एवं मड़ाई का कार्य शीघ्र पूरा कर दाने को संरक्षित करें। कीटनाशी, रोगनाशी और खरपतवारनाशी रसायनों का छिड़काव हवा के शांत/आसमान साफ होने पर ही करें और हवा की विपरीत दिशा में खड़े होकर कीटनाशकों, कीटनाशकों और खरपतवारनाशकों का स्प्रे न करें। यदि संभव हो तो, छिड़काव करने के बाद, खाने से पहले और कपड़े धोने के बाद हाथों को साबुन या हाथ धोने से अच्छी तरह से धोना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

हल्की वर्षा, गरज-चमक की संभावना को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे जायद की परिपक्व फसलों की कटाई एवं मड़ाई का कार्य शीघ्र पूरा कर दाने को संरक्षित करें।

फसल विशिष्ट सलाह:

फसल	फसल विशिष्ट सलाह
चावल	खेतों की तैयारी कर धान की नर्सरी डालें, साथ ही उन्नतशील किस्मों नरेंद्र-359, नरेंद्र धान-2026, नरेंद्र धान-2064, नरेंद्र धान-2065, नरेंद्र धान-3112, सरजू-52, सीता आदि तथा संकर किस्मों- प्रो.एग्रो -6444 (2001)एराइज, प्रो.एग्रो -6201 (2001)एराइज, पी.एच.बी.-71, पायनियर -27 पी 31, 27 पी 37, 28 पी 67, आर आर एक्स -113, कावेरी -468, के.आर.एच -2, यू.एस.-312, आर.एच.-312, आर.एच.-1531 आदि एवं सुगंधित धान की किस्म- टाइप-3, पूसा बासमती-1, मालवीय सुगंध-105, मालवीय सुगंध-3-4, नरेंद्र सुगंध एवं नरेंद्र ऊसर धान-1, नरेंद्र ऊसर धान-2, नरेंद्र ऊसर धान-2008, सी.एल.आर.-10 आदि में से किसी एक किस्म के बीजों एवं खाद की व्यवस्था कर नर्सरी डालें। धान के बीजों की नर्सरी डालने के 15 दिन पूर्व खेत में हल्की सिंचाई करे ताकि खेत में निकलने वाले खरपतवार खेत तैयार करते समय नष्ट हो जाय।
मक्का	खरीफ मक्का की बुवाई के लिए खेतों का पलेवा कर खेत की तैयारी करने के पश्चात् उन्नतशील संस्तुति संकुल प्रजातियाँ- कंचन, गौरव, श्वेता, आजाद उत्तम एवं संकर प्रजातियाँ- , एच एम एच -3904, पी एम एच -3, एन के -61, प्रकाश,वाई -1402, बायो-9681, प्रो -316 ,डी -9144, दिकाल्ब- 7074, पीएचबी- 8144, दक्कन 115, एम.एम.एच.-133 आदि में से एक किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए खाद एवं बीज की व्यवस्था कर, मक्के की संकुल प्रजाति की बुवाई के लिए 20 -25 किलोग्राम बीज/हेक्टेयर तथा शंकर प्रजाति 18 -20 किलोग्राम बीज / हेक्टेयर की दर से बुवाई करें।
मक्का	किसानों को सलाह दी जाती है कि मक्के की परिपक्व भुट्टों की तुड़ाई करे तथा तोड़े गये भुट्टे से दाने को अलग करने के पश्चात् धूप में अच्छी तरह सुखाकर ही भण्डारित करे।
काला चना	किसानों को सलाह दी जाती है कि उर्द की परिपक्व फसलों की कटाई करने के पश्चात् मड़ाई कर दाने को भूसे से अलग कर दाने को संरक्षित कर लें।
मूँग	किसानों को सलाह दी जाती है कि मूँग की परिपक्व फलियों की तुड़ाई करने के पश्चात् मड़ाई कर दाने को भूसे से अलग कर दाने को संरक्षित कर लें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
बैंगन	खरीफ में बोई जाने वाली सब्जियों के पौधों की नर्सरी/बुवाई करें। बैंगन, मिर्च, अगेती फूलगोभी की नर्सरी व भिन्डी, लोबिया, कद्दू, लौकी, तरोई, करेला, खीरा आदि की बुवाई का उपयुक्त समय है। जायद कद्दू, लौकी, तरोई, करेला, खीरा, ककड़ी, तरबूज, खरबूजा आदि तैयार फसलों की तुड़ाई कर बाजार भेजे। सब्जियों की फसलों में फल छेदक/पत्ती छेदक कीट की रोकथाम हेतु नीम आयल 1.5-2.0 मिली/लीटर पानी में घोल बनाकर 3-4 छिड़काव 8-10 दिन के अन्तराल पर करें। सब्जियों की खड़ी फसलों में निराई - गुड़ाई करें तथा सिंचाई का कार्य 8-10 दिन के अन्तराल पर शाम के समय करें।
आम	नये बागों की रोपाई के लिए गड्डों की खुदाई करें। आम, अमरूद, नींबू बेर, अंगूर, पपीता व लीची आदि के बागों में सिंचाई का कार्य करें। आम के फलों को गिरने से बचाने के लिए बागों की सिंचाई करें अथवा एल्फा नेफथलीन एसिटिक एसिड के 4.5 एस.एल. के 20 मिली/लीटर प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। आम के फलों में कोयलिया विकार या आंतरिक सड़न रोग की रोकथाम हेतु बोरेक्स 0.8 प्रतिशत 0.8 ग्राम/लीटर पानी में घोल बनाकर 10 दिन के अन्तराल पर 2 छिड़काव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस	वर्तमान मौसम को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पशुओं को रात के दौरान खुले में बांधें। पशुओं को दिन के समय छायेदार स्थान पर बांधे या पेड़ के नीचे पशुओं को न बांधे क्योंकि इस सप्ताह हवाओं की गति सामान्य से तेज चलने के कारण पेड़ / पेड़ों की टहनियों के गिरने की सम्भावना अधिक रहती हैं। पशुओं को खुरपका-मुँहपका रोग की रोकथाम हेतु एफ.एम.डी. वैक्सीन तथा लगड़िया बुखार से बचाव हेतु वी.क्यू. वैक्सीन से टीकाकरण कराये। पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। पशुओं को साफ एवं ताजा पानी दिन में ३-४ बार अवश्य पिलायें। गर्भित पशुओं को ढलान वाले स्थान पर न बांधें। पशुओं को पेट में कीड़ों की रोकथाम के लिए कृमिनाशक दवा देने का उचित समय है।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएँ और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें। मुर्गियों के पेट में कीड़ों की रोकथाम (डिवमिर्ग) के लिए दवा दें। मुर्गियों को गर्मी से बचाव हेतु गर्मी हाउस में पर्दे, पंखे और वेंटिलेशन की व्यवस्था करें। मुर्गियों को गर्मी से बचाने के लिए मुर्गी घर में लगे हुए जुट के पर्दों पर पानी के छींटे मारे जिससे ठंडक बनी रहे।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार दिनांक 14-15 जून 2025 के मध्य स्थानीय स्तर पर हल्की वर्षा, गरज-चमक के साथ वर्षा, तेज हवाएं चलने की चेतावनी है।
--

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

प्रथम तीन दिन उष्ण लहर तथा अन्तिम दो दिनों में हल्की बारिश की सम्भावना को देखते हुए, किसानों को सलाह दी जाती है कि वे जायद की परिपक्व फसलों की कटाई एवं मड़ाई कर दानों को संरक्षित करें तथा सिंचाई का कार्य प्रातःकाल एवं दोपहर के समय न करें। सुबह 11 बजे से शाम 04 बजे के बीच खेतों पर कोई कार्य न करें तथा खड़ी फसलों में हल्की सिंचाई 7-8 दिन के अन्तराल पर सायंकाल के समय करें। पशुओं को सुबह 11 बजे से शाम 04 बजे तक चरने लिए बाहर न छोड़ें। पशुओं को सुबह - शाम नहलायें। दोपहर के वक्त अनावश्यक घर से बाहर न निकले यदि आवश्यक कार्य है तो सिर पर गमछा बाँध कर ही घर से बाहर निकले।

Farmers are advised to download Unified  "Mausam" and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details/>

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details